

१०२ निरुपनिषत्सु

ASHA ARCHIVES

3175

१०२ लिखार्चन पद्योते

गुह्यो जाली बतोरबाल

ॐ नमः शारुवान्ये ॥ अथ यास्तिकी ॥ वाक्त्रमुद्रां चाल्मय ॥ त्राहि न यागाल
गाव एग लारुथमायाव द्रुग्यालाव भवद्रामन सथादाव ॥ थवगिन्सवा
द सद्रुमदलकेमलया मृदिसधी दुक्या धानयाय ॥ मरुषा प्रगुर्वु धाय
गुदसु ठिक सत्रिर्ह विवा रुय क र्मभर्क रुक्मा रुवृण रुषिर्ग ॥ वक्र गकि
समालिप्त कामानन्द जमात्तर्व ॥ यमन्नवदनी रुद्र सर्वकर्मरुलदुर्द ॥ धन
धानयादाव मानमडयत्ताजर्ग याद्य गुह्य आवमनीय स्तान लय धिवा
नर्क ग र्भक ल्यया मिनमः ॥ रुद्राका भक्तर्क यूर्यक ल्यया मिनमः ॥ यवाया
नर्क धूर्यक ल्यया मिनमः ॥ वनि जात्तर्क दीर्घक ल्यया मिनमः ॥ वज्रलात्तर्क

नैवयंकल्यया ॥ नमो ॥ धृग्येवायचवर्गवृजाया द्वावेकाथजावर्गनमस्का
वयाय ॥ नैवयंकल्यया ॥ नमो ॥ धृग्येवायचवर्गवृजाया द्वावेकाथजावर्गनमस्का
मकुर्नीयक्रसध ॥ नमो ॥ धृग्येवायचवर्गवृजाया द्वावेकाथजावर्गनमस्का
समर्थययाय ॥ नमो ॥ धृग्येवायचवर्गवृजाया द्वावेकाथजावर्गनमस्का
रुयावेत्यातस्यधीयादूका ॥ नमो ॥ धृग्येवायचवर्गवृजाया द्वावेकाथजावर्गनमस्का
वर्गकुययानाथ ॥ नमो ॥ धृग्येवायचवर्गवृजाया द्वावेकाथजावर्गनमस्का
निरामुद्यादिर्गयुनतमेधीयुवर्गनमस्का ॥ नमो ॥ धृग्येवायचवर्गवृजाया द्वावेकाथजावर्गनमस्का
चणुवसचणुद्वलपद्मयागवर्ग ॥ नमो ॥ धृग्येवायचवर्गवृजाया द्वावेकाथजावर्गनमस्का

यदिभखाष्टज्ञानपिकावधनयायः ॥ धयादधूमकाठिसूर्ययार्थिठगजः काठिव
 न्दया ॥ धं गीतलकामाखाविन्दूधनयायः ॥ धयादवर्नकुलिनी जाकधूया
 वयाठवी ॥ धं नालवायामधिठयविमान काठियनयमाधिठरावयावः ॥ स४ ॥ ध
 मकुणसूषन्नानाठिलीन धं गीयठावसरुसदलकमलूयादधूसयाठयवगिवस
 डानायलायकाव सामनस्यरावनायाठवविन्दूतीथनरुसयववजूमृगनकुलि
 नीनयार्थीयाठव मोरुधमकुणकाठरुयावमूलाधयसीतयावधवदरुदवगा
 वदरुदरुधनयाठव ॥ न्यासयाय ॥ अथमणिकान्यास४ ॥ अस्यमाएका न्यास
 सवध्मासुमिन्नयणीकुन्द४माएकासवध्मादवगाव ॥ अथवीजसुवध्माकिवध्मा
 काकीलकविद्यासुलनन्याभविनियाग४ ॥ राथजालवावजाथ ॥ गिवसा ॥ उं व

मन्त्रसुखयनमः॥ मन्त्रसु॥ मयरी कन्दसनमः॥ हृदयसु॥ माण्डकामवखनी
दवतायेनमः॥ आधीयसे॥ वीजनथावीडाथानमः॥ पाण्डु॥ सुवयः॥ कि
थानमः॥ सवस्त्रि॥ मन्त्रकायकीलुकायनमः॥ अर्कखं गीर्दीर्मा अर्गुषा
यानमः॥ ॐ यं यं जं जं ॐ ॐ तर्जनीयां स्त्राह॥ उं उं उं उं उं मधुमायां वषट्तां
नर्थं दं धं नं नं अनीमिकायां दूं॥ उं यं रूं वं रूं मं डं कनिष्ठायां वषट्॥ अर्चं नं लं वं
गं धं रूं लं रूं मं ॥ कत्रगलयेष्टां यां अस्त्रायरुट्॥ अर्कखं गं धं दं अर्क हृदयाय
नमः॥ ॐ चं चं जं जं ॐ ॐ गीवमस्त्राह॥ उं उं उं उं उं गीवयवषट्॥ नं नर्थं यं
धं नं नं कवचाय दूं॥ उं यं रूं वं रूं मं डं नग्राय वषट्॥ अर्चं नं लं वं गं धं रूं लं
दं मं ॥ अस्त्रायरुट्॥ ॐ ति कत्राज्ञनामः॥ अं नमः॥ नाटिकासु॥ अं नमः॥ रवाम

सु॥ ॐ नमः॥ जवमिखासु॥ ॐ नमः॥ खवमिखासु॥ ॐ नमः॥ जवद्रुसथाग॥ ॐ नमः
॥ खवद्रुसथागसु॥ अं नमः॥ जवद्रुसु॥ ॐ नमः॥ खवद्रुसु॥ ॐ नमः॥ जवद्रुसु॥
॥ ॐ नमः॥ खवद्रुसु॥ नं नमः॥ थं थं थं थं मि॥ नं नमः॥ काथं थं थं थं मि॥ ॐ नमः॥ थं थं
वा॥ ॐ नमः॥ काथं वा॥ अं नमः॥ रं सथावसु॥ अं नमः॥ मथासु॥ कं नमः॥ जववाः
रुल॥ ॐ नमः॥ खववुल॥ गं नमः॥ जवकाविला॥ धं नमः॥ जवयं यदुल॥ ॐ नमः॥
॥ जवयं यदुल॥ यं नमः॥ खववाकाल॥ रूं नमः॥ खववुल॥ ॐ नमः॥ खवकाला॥ ॐ
नमः॥ खवयं यदुल॥ ॐ नमः॥ खवयं यदुल॥ ॐ नमः॥ जवकलवुल॥ ॐ नमः॥
जवयु॥ ॐ नमः॥ जवगुथि॥ ॐ नमः॥ जवयं यदुल॥ ॐ नमः॥ जवयं यदुल॥ ॐ नमः॥

[illegible]

नमः॥ जवस॥ गंगाधरयनमः॥ दधन॥ शुद्धं शुद्धं कालिका रंष्ट्रदवगायमम
॥ कवचधनं॥ उद्धं मरुतयुग्मा गवनिनं॥ सुस्तययुद्धं॥ रुद्धं॥ धमकुण्ड
उद्धं उद्धं गालययशाठवकाटिका नमः॥ नयययु॥ शुद्धं १७ जवकासने
यावखवनमादकाय॥ शुद्धं ५४ नयाठनयावने॥ शुद्धं ३२ खवकासनेयवि
जवनसायिने॥ धनयययमः॥ मृथमृष्यादिन्यासः॥ भानस॥ उद्धं गवनिव
जृषयनमः॥ मृथुस॥ जगतीकुन्दसनमः॥ ददयस॥ दधं वकायुद्धका
लि कादवगायनमः॥ नारिस॥ रुद्धं वीजायनमः॥ मृधमृष्या॥ की गकायनमः॥
॥ नाटिकास॥ रुद्धं कीलकायनमः॥ लतजालयाव॥ दूधयार्थययुष्टयसाध

[illegible]

दन्तव्रतनाथ ॥ श्री कामदेवाय सर्वजनविघ्ननाशन ॥ ॐ कौं कौं धर्मलक्षण
धर्मलक्षण ॥ गुणिलक्षणसिद्धिवाचसिद्धि ॥ सर्वान्धकारि ॥ मूलमन्त्र ॥ उद्धव
विष्णुवाक् ॥ मां सत्त्वितराजानि ॥ निष्ठदविशिखाम ॥ क्षयाम् ॥ उद्धववाजि
न ॥ नासिय ॥ सर्वविद्यागताय स्वाहा ॥ सर्वशिवतत्त्वाय स्वाहा ॥ सर्वशक्ति
तत्त्वाय स्वाहा ॥ ॐ गुणिलक्षणव्रतनाथ ॥ कृष्णसिद्धिवाचसिद्धि ॥ क्षयाम् ॥ नासि
य ॥ सर्वधर्मलक्षण ॥ उद्धववाचसिद्धि ॥ उद्धववाचसिद्धि ॥ उद्धववाचसिद्धि ॥
ॐ प्रणमः ॥ श्रीदेवानां दिग्गजनाथ ॥ मयाम् ॥ मृष्टादिनासः ॥ कवचपञ्चमनाथ
॥ सर्ववस ॥ विष्णुवाचसिद्धि ॥ उद्धववाचसिद्धि ॥ उद्धववाचसिद्धि ॥ उद्धववाचसिद्धि ॥
नया ॥ उद्धववाचसिद्धि ॥ उद्धववाचसिद्धि ॥ उद्धववाचसिद्धि ॥ उद्धववाचसिद्धि ॥

स्थनदवङ्गागीर्धदृदिदिवाकत्र ॥ कौं. श्रमकुलसूर्यमल्ललसधाठगीर्धजुं
 गामुद्रावकौकायावलीखसगमकु ॥ ॐ गंगययमूनथेव (गमदावनिमयसवति ।
 नमोदसिंधूकाथविजलसिन्नुसन्निधीक्यू ॥ कूं. अवगुठनं ॥ रुठ प्रकायाया ॥
 वं. धनूमडाकन ॥ मूलमकुलधयययय ॥ श्रुतिकोटीयादथूमथवरुं दयवता
 विशाकरात्रयावसानयाय ॥ मूलमकुलपठयथा निमूडावस्वथालथवनिप्रसञ्ज
 रिषकयाय ॥ कूं. कूं. मूडावस्वथाल ॥ अययाय ॥ मूलमकुलधगुद्धकालिकाधी
 वाइकीनययामिनम४ सारु ॥ ३ ॥ मूलमकुलजययाय ॥ सारु अरुकाथरुठ ॥ श्र
 मकुलगीर्धसूर्यमल्ललसविमकुलनयाय ॥ ॥ ॐ नमः ॥ श्रमकुलशिवद्वसालीखन

नाम हं द (वत नारु मा मू को वजत नु वि प्र का थ ह्यु या र्म आ र्क क्षी ४ रुद्र ३ स्त्रा
 हो ॥ ३ ॥ धते ज य प्र या व थ व शि व स त म नु ४ ॥ रुद्र धी र्म वि व द्म कालि को श क
 ये न म ४ ॥ कपाल प्र ती य म नु ४ ॥ की रु द्र कालि का ये न म ४ ॥ ३ ॥ लू ग ल स ॥ इ
 क वा ला ये न म ४ ॥ ना रि सु ॥ की धा य ना हा ये न म ४ ॥ वा हा य स ॥ मू वि क ट द द
 ये न म ४ ॥ २ ॥ व र्ण य स ॥ धी अ न न्ना कु ला ये न म ४ ॥ ला हा य स ॥ की क या लि न्ने न
 म ४ ॥ ग ल्प या ग स ॥ को द्वा ल मालि न्ने न म ४ ॥ वृ क म ॥ की वा मू ल्प ये न म ४ ॥ ज
 ल्प म ॥ रुद्र य ये न म ४ ॥ शि व आ दि या द य र्म न ॥ रुद्र म ह्ना कालि म ह्ना क य य
 ग न्ध वृ यि नि ॥ वि रु ति स्ना न सा म लं द रु द्र वि य य रु म ॥ मूल म न्त्र ॥ हं ति वि रु ति
 ध य न ॥ ॥ धं म का या व र्ण व ल हा त स त या व थ मूल म न्त्र यी या व र्ण न ॥

रुद्र म क ला ये न म ४ ॥ रुद्र क क ला ये न म ४ ॥ रुद्र क्रि या क ला ये न म ४ ॥ रुद्र क्रि क
 ला ये न म ४ ॥ रुद्र का म क ला ये न म ४ ॥ ज व न ग क य या व ज य य ॥ की की रु स र्व ज न
 मा हि नि स र्व व श रु वि म नि रु रु द्र म हा ॥ ३ ॥ धं म य त न नो य ॥ ॥ ० ॥ अ थ म
 य न ना मि य ३ ॥ रुद्र यु क्थान म ४ ॥ वि व स ॥ गं ग लो म य न म ४ ॥ ज व स ॥ रुद्र रु द्र
 कालि क रुद्र द व ना ये न म ४ ॥ रुद्र व न ॥ क य ल म प्र न ॥ रुद्र म हा या ग य न वि यी
 रुद्र अ स्त्रा य रुद्र ॥ रुद्र कान द श दि य ध न रा य ॥ रुद्र ॥ धं म नु ॥ रुद्र य या थि या र्म
 याम या य ॥ रुद्र या दि ता य ४ ॥ मूल क ल म य न याम ४ ॥ ॥ रुद्र ल म ध न रा य ॥ यी
 जी वा ३ ॥ रुद्र ध म्मा र्थ का म मी क य रुद्र कालि क ल म र्म रुद्र रुद्र म हा ॥ रुद्र रुद्र
 द क रुद्र रुद्र म हा ॥ धं म नु ग र्व ध य रुद्र य य ॥ भा य ॥ वी य रुद्र ॥ रुद्र नू मू डा क म (वी)

धर्मेखनमूजा रुणिहाय ॥ मूलमलुय ७ यं धनमूजा ॥ धवगि वसं अलिष कयूय
३ ॥ थानिमूजा न ३ ॥ लिलिखेमूजा ७ ३ ॥ श्वं गुधका लि कामरुम रि विंया मि
वाहा ॥ धर्मेखनमूजा ७ काया वना सिरा ॥ न विद्या तवाय स्वधा ॥ विं गिवतवाय
स्वधा ॥ नं गी के गन्वाय स्वधा ॥ जवनलख काया विखवला हात सत भा कयूया
वजययय ॥ ॥ यं वंलं वी ॥ धमलु ७ धा ७ ॥ मूलमलु ७ ३ ७ ययया वजयया तलेम
डा ७ धमलु खन रुया मला ॥ ॐ विजया येनम ३ ॥ ॐ याया येनम ४ ॥ ॐ मलुल ३ ॥
नम ४ ॥ ॐ काल कलि नम ४ ॥ ॐ सर्व सिद्धि दाय नम ४ ॥ ॐ श्वा वगि नम ४ ॥ ॐ ग्रीन न
कायेनम ४ ॥ ॐ काले वाये नम ४ ॥ धते धमलु या वल्यं काले ख जवला हात सतया
व धर्मेखन जययरा ययं ख व ज्ञान नंद काया व थ व गी वी यया व वन था ६ मलुस

पायं मलाव ३ धर्मेखनमूजा कला वयं जवकासन रि काया वखव सवज गिना
मवाय ॥ श्री य ३ ३ रुट ॥ ला हात गीया ॥ ॥ धवले वसवं सु रि का ७ या क वाया
व थ य ७ जा या या ॥ ७ ॥ श्री धमलु ७ का दि था नम ४ ॥ मी विना मूया ना मल ॥ रुट ॥ नम ४
लखन ॥ ॥ धर्मेका ७ या क थ क था या ॥ य ग राने गू क त ॥ ॐ ॥ मूलमलु ७ जय यय
मय शर्व धनमूजा केन ॥ रुट ॥ गालु गुय दि य धन या हाय मूया ७ ७ ॥ मूलम
लु ७ ७ का लि के न य ग ७ ७ मोहा ॥ ॐ श्री श्री रुगवर्गा य मूका मूय निष्टि श्री श्री श्री श्री
॥ मूलमलु जय या य ॥ ७ ॥ जलु ७ ७ लि ॥ ॐ व धाय नम ४ ॥ ॐ काला येनम ४ ॥ ॐ श्वा म
येनम ४ ॥ ॐ ललि ता येनम ४ ॥ ॐ कालि नेनम ४ ॥ ॐ धा या येनम ४ ॥ ॐ ग्री लि नेनम ४ ॥ ॐ ज
य म मला येनम ४ ॥ ॐ क वू क ला येनम ४ ॥ ॐ रु का नि लेनम ४ ॥ ॐ काले स दाय ७ धेनम

नकाली नय्यामि नमः॥ याग गंध विरुं महायुक्तं पूनाया काली नय्यामि नमः
 ॥ १ ॥ महायुक्तं याग गंध विरुं सा काली नय्यामि नमः॥ ॥ मूलमल सायुक्तं॥
 ॥ सवायना ॥ सवायिवा वाशं वव महिना ॥ श्री उद्य कालिका नय्यामि नमः॥ ॥
 मूर्यामलम सवदीक्षानयादाव ॥ मूलं उद्यदादित्यवकिन्त्यो गिवयेन नय्यामयः
 को ॥ ॥ गीके सहितमा केलुं ववाधि ॥ श्री उद्य कालिका नय्यामि नमः॥ ॥ मूलमल
 जययाय ॥ १०६ ॥ या निमूडा ठानमस्मा वया दावं गालययल धूलकं सहानमदावध
 वदय कमलसंलीनयाय ॥ १०७ ॥ तिनय्यामि विधिः॥ ॥ ॥ अथ मूर्यामि विधिः॥
 मूर्यामल ॥ याग गंध विरुं सा काली नय्यामि नमः॥ ॥ ॥ अथ मूर्यामि विधिः॥
 मूर्यामल ॥ याग गंध विरुं सा काली नय्यामि नमः॥ ॥ ॥ अथ मूर्यामि विधिः॥
 मूर्यामल ॥ याग गंध विरुं सा काली नय्यामि नमः॥ ॥ ॥ अथ मूर्यामि विधिः॥

श्री कृष्णमनमः॥ ददय ॥ श्रीमालिकुं वव दवताये नमः॥ राथडा वयाव ॥ ममस
 वीरीय सिद्धय मूर्यामि दान विनि याग ॥ ॥ ॥ श्रीमालिकुं वव दवताये नमः॥ राथडा वयाव ॥ ममस
 का ॥ ॥ श्रीमालिकुं वव दवताये नमः॥ राथडा वयाव ॥ ममस
 पुष्टाया अस्माय रुट ॥ श्री ददयाय नमः॥ श्री गिवस साहा ॥ ॥ श्री गिवस साहा ॥
 ॥ श्री कवयाय दू ॥ श्री नय्याय वी सट ॥ ॥ श्री नय्याय वी सट ॥ ॥ अथ वदवनेना
 मयामि सुगिकाया क अस्माय दलयम लो कवी याय ॥ ॥ अथ वदवनेना मयामि सुगिकाया क अस्माय दलयम लो कवी याय ॥
 ॥ ॥ श्रीमालिकुं वव दवताये नमः॥ राथडा वयाव ॥ ममस
 ॥ ॥ श्रीमालिकुं वव दवताये नमः॥ राथडा वयाव ॥ ममस
 ॥ ॥ श्रीमालिकुं वव दवताये नमः॥ राथडा वयाव ॥ ममस
 ॥ ॥ श्रीमालिकुं वव दवताये नमः॥ राथडा वयाव ॥ ममस
 ॥ ॥ श्रीमालिकुं वव दवताये नमः॥ राथडा वयाव ॥ ममस

[illegible]

कलंखजाकृतं॥ श्रीगुरुकाव्यार्थनामिकायामिदं पूर्वकयार्थिवर्गिण्युजामरुक्
विषी॥ याकाय॥ रुवायनमः॥ श्रय॥ ॐ मरुश्च वायनमः॥ ॐ धूलयास्त्रिंशं रुम्
यतिष्ठारुवा॥ यावयतिष्ठ॥ कर्नलमज्जनयुजायाद्वेधंलासम॥ लाहलसीया॥ या
लमयाय॥ ॐ १७ जवज्जासगयादखवमसादकाय॥ ॐ ३४ नयाकृतयादित॥
ॐ ३२ खवतयादिजवनताकृत॥ धनयालमयासयादावकाथजावर्षधान॥ शुभ
यश्चकनमकसयामदवसृष्टिः॥ किंकुन्दः सदागिवदवताचउद्विधयूद्वयार्थमि
द्वयविनिर्थागः॥ माउस॥ ॐ वामेदेवमृष्येनमः॥ मूधूस॥ यंकिंकुन्दमनम
शाद्वेयम॥ गिवदवतायेनमः॥ गुच्छस॥ ॐ वीजायनमः॥ या० स॥ नमः॥ क
येनमः॥ सच्चमि॥ गिवायकीलकायनमः॥ हाथजावय॥ बहुविधयूद्वयार्थमि

वृक्षविनिर्माणः॥ ॥ न्यासः॥ ॐ अं ह्रस्वः श्यानिमः॥ नमो नृकोत्तरीयायारु॥ मर्मनक्ष
माख्याविषयः॥ गिं गूनमिकायां ह्रीं॥ वीकनिष्ठिकायां वीषट्॥ यकजगलघृष्टायां अ
क्षायरुठ॥ ॥ ॐ ह्रदयाय नमः॥ नमो गिप्रमस्तारु॥ मणिस्वायेवषट्॥ गिंकवयाय
ह्रीं॥ वीभिगययाय वीषट्॥ य अक्षायरुठ॥ ॥ अत न्यासयाकाव अर्घ्याय अक्षाय
नयाय॥ दवया ह्रव नर्वेगिकां वाक्यकया यावत्थयूजायाय॥ की आ धव
गक्ष्यादि न्यासः॥ रुठ॥ अमन्तुं अर्घ्यानां मयिनां शिलावमं नृसर्ग॥ नमः॥ लख
न॥ ॐ वृक्षानन॥ ॐ गीं गययमूनर्थेव अक्षाययि मययति॥ नमो नमिं वृक्षाव
यि अले रस्मिन्मन्त्रिवाक्यव॥ अमन्तुं अर्घ्यानां मयिनां शिलावमं नृसर्ग॥ नमः॥ लख

[illegible]

वधवदमयस वा दपयमभव जवक्रासनदि कायावगिवर्तिगयत ॥ धीगिव
मूर्ति यत्रिकलायामि ॥ आवादिमूडाकेन ॥ १०० लया ॥ १०० खगकु २ यिनाक
क १०० रुतिह २ १०० रुसनिहिता रुव २ १०० रुसनिबुद्धा रुव २ ॥ (धनमूडाकेन ॥
माननधियाकयागयतिवायाय ॥ ओं कीं को गिवस्य सवर्दिहया नि १०० रुग
य २ रुवा ॥ ३ ॥ अथाकायाव ॥ मूल १०० दीपाद्यमहादेवाय नमः ॥ मूल १००
दमर्धमहादेवाय नमः ॥ मूल १०० दमायमनीर्यमहादेवाय नमः ॥ मूल १०० द
मानमहादेवाय नमः ॥ मूल १०० दचन्दनमहादेवाय नमः ॥ सिद्ध ॥ मूल १००
नियुक्तानिमहादेवाय नमः ॥ ॥ मूलमूल १०० ययाजलिग ३ ॥ लिंगमूडाकेन
॥ वामावकनजलरुलि स पूजायाय ॥ ॐ श्री वाय कितिमूर्तये नमः ॥ ॐ रुवा

यजलमूर्तये नमः ॥ ॐ पूडायाग्निमूर्तये नमः ॥ ॐ दयारावायुमूर्तये नमः ॥
ॐ रीमायाकाशमूर्तये नमः ॥ ॐ यष्टुयगय ॥ जमानमूर्तये नमः ॥ ॐ महादेवा
यभाममूर्तये नमः ॥ ॐ ह्रीं ॥ नायपूर्यमूर्तये नमः ॥ ॐ धनिम ॥ ॐ डी ॐ माय नमः
॥ गत ॥ ॐ साङ्गायसयुविवायध ॥ गिवाय नमः ॥ धनयूजायाकावधुयदीयनेध
यन ॥ ॐ धययूजायाय ॥ ॐ सर्ववाद्यमयायध ॥ यय नमः ॥ खवनर्धधमशावे ॥ मूल १००
यधुयामहादेवाय नमः ॥ मूल १०० वदीधामहादेवाय नमः ॥ मूल १०० दनेवर्धमहादेवा
य नमः ॥ लीयकु १०० ॥ पुनवायमनीर्य नमः ॥ ॥ या ॐ यामयाय ॥ जयमाला प
जायाय ॥ ॐ जयमालाय नमः ॥ मूलमूल १०० जययाय १०० ॥ द्रवया ॥ ॐ या ॐ यो
मयाय ॥ जयसमर्धलेयाय ॥ ॐ द्दजयगृहीतखा ॥ रुवायाय ॥ यवायययय

गीमउत्पत्तिमिति कावका। सर्वार्थसाधनायायविद्वत्पुत्रनमास्तु॥ ह्यरावनिमा
 ला। रागसर्वेयाधिविनाशन। ध्यानिध्यागिमहायागिध्या। जयपुत्रनमास्तु॥ मन्त्रेण
 बहूनिमयूष्येनविकलनय। यजितामिमहादेवतत्सर्वकामार्गमम॥ नमस्कावय
 य॥ मुखवाद्ययदद्वितीयाय॥ कस्तानेजादत॥ महादेवयुजितामिममस्तु॥ धन
 यववावर्गन॥ गालययथाकावसंहायमुद्रा। देवयाकेश। देवानकायावनकुं
 वधवददयसंलीनयाय॥ ध्यानरोगमनका। सदायथयुजायाय। सर्वदेवयाय
 नमः॥ ॥ इति ध्यायविनिवृत्ताविधिः॥
 ॐ नमोभ्याममलाय॥ पूजामुपवर्त्तवधूपकं धनमर्त्तयाय॥ ना। मियावद्वद्वज
 लणधनयाय॥ धवनखवसवेयनियययकशायावतारुण्यति॥ यमस्वाननयूजा

याया। उर्वसर्वार्थमयजलकं रायममः॥ इत्यवध॥ र्याबीवां३॥ ॐ धर्मार्थकाममादाय
 मरुच्चकालिकलमर्षरुनश्चैरुद्राह॥ उर्वकादकैर्द्रुद्राह॥ ३॥ र्व॥ धम
 मुद्राकेन॥ मूलमन्त्रजयवर्ग३॥ धुर्लखनसमर्त्तलखनहायावधमनामिय
 ॥ न॥ ॐ जां ग्रात्मगत्यायस्वाहा॥ न॥ ॐ जीविद्यातलायस्वाहा॥ न॥ ॐ जीवितलाय
 स्वाहा॥ न॥ ॐ गीतलायस्वाहा॥ ॥ मूलमन्त्रयत्रयावयूजा र्त्तिमैय॥ स्वाहा
 मयरुद्र॥ लखनहाय॥ ॐ भूवृक्षुनयाय॥ र्वधनूमद्राकेन॥ धनयूजा र्त्ति
 ॥ मधनयाकावर्वर्गधियाव॥ ॐ धीर्ज्ञानवद्वद्रुद्राह॥ अर्धमिथगसा
 नभूतलखतयावअर्धयाय॥ ॐ नभारुगवर्धनवर्धननिधयस्वाहा॥ ॥ य
 तस्वानकायावधवलाहातलमधनयाय॥ मभाभूकतस्वानकायावजादत॥ न॥ ॐ

[illegible]

नयावा॥आसनविनियोगा॥आसनधियावना॥पृथिवित्वया॥धृतालाकादवित्त्वविष्णु
नाधृता॥त्वधमत्रयमांदवियविष्णु॥गूवासनी॥जावा॥वृजा॥उंधमादिस्थानम॥इ॥वृद्ध
दिलाकया॥लस्थानम॥इ॥चतुर्थ॥गस्थानम॥इ॥चतुर्थदस्थानम॥इ॥सृष्टिलया॥स्थानम
॥इ॥मरुतुववायनम॥इ॥कोकू॥इ॥आत्मगिवासनाययाद॥कांयूजयामि॥थेयान॥
॥॥धनविजया॥धवद्ववनगयाव॥धनया॥य॥मूलमनुजालीखनकाया॥उयवय॥इ॥स
मिदवकसीदुर्गे॥वक्रपुसिदानधे॥रि॥ववाना॥उदलार्थ॥यविगारुवसर्वदा॥इ॥याद्व
नम॥स्वाहा॥इ॥सिद्धिमुलिकियदवि॥हानवाधयवाधिन॥वा॥उयजा॥वडा॥कवि॥गु॥क
लिधुलिनि॥न॥का॥गिया॥येनम॥स्वाहा॥इ॥अज्ञानधनदीका॥न॥वाला॥न॥ज्ञानबूयिनि॥
आनेदस्या॥इ॥ति॥योति॥सम्यक्॥ज्ञानययकुमी॥की॥वे॥धयेनम॥स्वाहा॥इ॥नम॥स्यामि॥नम॥स्यामि॥

यागमायैदगिनि शिलाकविजयमात ४ प्रमाधिरुलदा रुवा ॥ कीं दूडायै नमः ४ स्त्राहा ॥
ॐ अमृतं अमृतं नाहुं अमृतं अमृतं अमृतं अमृतं अमृतं अमृतं अमृतं अमृतं अमृतं अमृतं
भवतामानये स्त्राहा ॥ मूलमकुटा जयवयना ॥ ग्रावा रुनादि मुद्यन सनि सन सनि
वाधन अवगलने धनये निमडा कर्न गाल यय क्काटिकान दिग्धनया
य ॥ धवगि जस गुत यटा याय ॥ निस्त्राहा अमृतं दूया दूकातिर्यया मिन
महा ॥ ॥ स्ववलाहाते सगया वस्त्री कात्रयाय मनु ४ ॥ नुं वयवदवा न्यदि
निमम जिक्का यस्त्रिनी रुव सर्व सत्व वगं क विस्त्राहा ॥ धवगि कात्रयादा
वधवगि जस वसु मूदिन धियावेते ॥ ॐ यत्र मगि वगं किनाथ अ ॥ ४ ॥ यया

पं यथा कमधी गुत्रया दामुर्ज गिप्र सायता सि ॥ हाथ जालया वरवस ॥
नुं गुत्रया नमः ४ ॥ जवस ॥ गगि ॥ ४ ॥ यनमः ४ ॥ द्वावने ॥ खुं गुत्रया कालिका ॥
धवगाये नमः ४ ॥ ॥ कत्र ॥ ४ ॥ धनं ॥ ॐ ॐ महावदुया ॥ ॐ ॐ विधी ॥ ॐ अक्राय
रुट ॥ गाल प्रयः रुट ३ ॥ क्काटिकान दिग्धनयाय ॥ लं खन थवर्कं दायक
॥ ॐ अत्रिया कात्रयाय ॥ थवर्कं कस उफान रुकया हाव मूला धान सा
धिसानः मगि प्र कः अनाहन विठु द्वि आकाः मरुशुदल कमलक्षानया
य ॥ ॐ धर्कं यरुल्लयाय ॥ या ॥ निर्याय ॥ ॐ गोयुध्याः ॥ ॐ नर्थ नारिगा जलका
नः नारिनर्थ क ॥ ॐ नार्त जस्मानः क ॥ ॐ नर्थ ललाट गोवायुस्कानः ललाटनर्थ व

द्रव्यवर्गा जा कर्मा स्नान रावना याय ॥ हंस शिवाय कर्म सादृका याव आत्मनय कर्म
 धाद कर्मा लिलिनी थं का याव हृदय कमल संधी ॥ जीवात्मा मय का विदवता सहि
 तन मुख म्ना ना उल्लिख्य सह सुदल कमल संधी ॥ दयव जि व स डाना द्यं ॥ मूलाक्ष
 जन विधि विनीतां जल सलीन याय ॥ स्वाधिकु न यकुं जल न निज मलीन याय ॥ मि विधु
 न ना निज न वायु मलीन याय ॥ अनाद रानी वायु न आ का श मलीन याय ॥ विष्णु वि
 न आ का श ना मोक्ष व कर्म संधी ॥ मन सलीन याय ॥ आकाश व कर्म मिन न आकाश
 यम अहं का ज मरु तम मरु त कर्मा लिलिनी मलीन याय ॥ कर्मा लिलिनी यव जिव स
 आन य याय ॥ उं की दू रू ट सा हा ॥ ॥ थ व र व र्यं को स या य पु नू य धान याय ॥
 र वा न हा क र्मा सा द र व उ र्मा यि ह आ द को ध मूर्ति रा व या व ॥ य १७ ज व द आ का स

ते यावत्खवनसादकाय ॥ यं ३४ नयादते यावत्पाययूष्यनां थवग्रीवनां थवा
 यूनगनके ॥ यं ३२ खवनयावजवनगोते ॥ वं १५ खवनयावजवनसादकाय
 जन्तिश्चानयाय ॥ वं ३४ नयागियावपायनां थवग्रीवनां थजन्तिनदहनये
 ॥ वं ३२ जवनयावखवनसायिकरुसमदकां पुर्ययिकरात्रये ॥ वं १५ जवन
 यावखवनसादकाय जन्तिश्चानयाय ॥ वं ३४ नयादते यावललाटसथाद
 यद्यथाकनज्मृतनरायावनिःपायशिंदग्रीवउत्थिकिरुवरात्रये ॥ वं
 ३२ खवनयावजवनसायिक ॥ लं ३२ नयादते यावते थवग्रीवकथिन
 रात्रये ॥ साद ॥ थमकुगद्वथर्गयंदाकुलुलिनीनां जीवात्मानं युधिवादि
 यो ३२ रुगनां थवथवसंथयसंभ ॥ थवग्रीवनिःपायने जाबूयदवनानावनया

म॥ शुद्धं नमः॥ धर्मं नमः॥ एकान्यासया दाव धारागिक मया दा (थं
वदिमो निका न्यासयाय ॥ ॥ पीरं न्यासः॥ ॐ अस्वयी ० न्यासस्य
विशुद्धादमृषिर्गुणीकृत्यः सदा शिवदवना द्वीवीजं कीर्तयति ॥ ॐ की
लकं यी ० न्यासं विनियोगः॥ मूलाक्षत्रं स ॥ ॐ आक्षत्रं कुर्यात् नमः॥ ॐ
प्रकृत्ये नमः॥ ॐ मलुकाय नमः॥ ॐ कूर्माय नमः॥ तु यः स ॥ ॐ (ग) वाय
नमः॥ नारिः स ॥ ॐ धृष्टिः नमः॥ हृदयं सधवनं धवनं रावनान ॥ ॐ नकाः
सूक्ष्मं नमः॥ ॐ मसिद्विषाय नमः॥ ॐ मसिप्रकं वालुकाय नमः॥ ॐ वामं
लुमलुलाय नमः॥ ॐ रे नवीयाका वाय नमः॥ ॐ महा मां नमः॥ नमः

॥ ॐ वैदिकं दालाये नमः॥ ॐ न बालुकाय नमः॥ ॐ मलु मालाये नमः॥
॥ वरुदिकं ॥ ॐ मृनिधाय नमः॥ ॐ दवस्थानं नमः॥ ॐ महामां सां सिमाद
मानं गिवास्थानं नमः॥ ॐ भवमूलस्थानं नमः॥ ॐ वगलयाग ॥ ॐ धर्माय न
मः॥ ॐ खवगलयाग ॥ ॐ ज्ञानाय नमः॥ ॐ खवखलम ॥ ॐ वैवाय्याय नमः॥
॥ ॐ खवखलम ॥ ॐ त्रिधर्माय नमः॥ ॐ धूमः ॥ ॐ अथर्माय नमः॥ ॐ ख
वयका ॥ ॐ अज्ञानाय नमः॥ ॐ नारिः ॥ ॐ अवेवाय्याय नमः॥ ॐ जव
वीका ॥ ॐ अनेधर्माय नमः॥ ॐ हृदयं ॥ ॐ कन्दाय नमः॥ ॐ यथाय
नमः॥ ॐ सूर्यमलुलाय नमः॥ ॐ शाममलुलाय नमः॥ ॐ वैदिकं मलु

[illegible]

यद्गर्वदमूयनमः॥ जवल्सि॥ ॐॐ सामवदमूयनमः॥ जवया॥
 दवने॥ ॐॐ अथवदमूयनमः॥ खवगुथिम॥ ॐॐ ॐॐ मूय
 नमः॥ जव गुथिम॥ ॐॐ वक्रिमूयनमः॥ खवग्य॥ ॐॐ यम
 मूयनमः॥ जवग्य॥ ॐॐ ने मूय मूयनमः॥ खवकुं॥ ॐॐ
 कुं वन॥ मूयनमः॥ जवकुं॥ ॐॐ वायूमूयनमः॥ खवकुं॥
 थ॥ ॐॐ धनदमूयनमः॥ जवकुं॥ ॐॐ ॐॐ नमूयनमः॥
 ॥ खव॥ ॐॐ अनमूयनमः॥ जव॥ ॐॐ वदमूयनमः॥ ख
 वरवलम॥ ॐॐ हृदिमूयनमः॥ जवरवलम॥ ॐॐ वलयमूयनमः॥

॥ श्ववकवचुकवस ॥ ॐ ॐ वदयताय नमः ॥ जवकवचुकव ॥ ॐ ॐ विष्णु
ताय नमः ॥ श्ववचुकवस ॥ ॐ ॐ वदयताय नमः ॥ जवचुकव ॥ ॐ ॐ विष्णु
वचुकवस ॥ आश्विन ॥ ॐ ॐ सदाशिवाय नमः ॥ नारि ॥ ॐ ॐ शिव
वाय नमः ॥ हृदय ॥ ॐ ॐ श्री ॐ ॐ महाशिवाय नमः ॥ ॐ ति यी ॐ नमः
सः ॥ ॥ अथ मूलकवाङ्मनास ॥ भालस ॥ सदाशिवसुखय नमः ॥ कथस
॥ जगतीकुलस नमः ॥ हृदय ॥ दशवकुलसुखकालिकाय नमः ॥
नारि ॥ ॐ बीजाय नमः ॥ आश्विन ॥ ॐ गोकथय नमः ॥ नाटिकास ॥ ॐ
कीलकाय नमः ॥ कृताश्रुति ॥ पूवार्थवगुष्टयसाधनविनिर्माण ॥ ॥
ॐ ॐ श्री ॐ ॐ शिवाय नमः ॥ सिद्धिकर्वालिगङ्गनीत्याश्विन ॥ ॐ ॐ श्री ॐ ॐ मध्या

स्यावषट् ॥ श्रीरुं अनामिकायाई ॥ नमः कनिष्ठिकायां वीषट् ॥ स्वाहा कव
 गलपृष्ठायां मूलायष्टट् ॥ ॐ हृदयाय नमः ॥ सिद्धिकर्ता लिङ्गि नमः स
 हा ॥ कौंठिकायां विषट् ॥ श्रीरुं कवचायष्ट ॥ नमः भगवताय वीष
 ट् ॥ स्वाहा मूलायष्टट् ॥ हन्ति मूलकं वाङ्मयासः ॥ ॐ ह्रिं सिद्धिकर्ता लि
 ङ्गि वक्राय नमः ॥ जवद्रक् ॥ कौंठिकायां वामवक्राय नमः ॥ खवद्रक् ॥
 श्रीरुं नमः ॥ यष्टि मूलाय नमः ॥ मिलनार्थं ॥ स्वाहा पूर्ववक्राय नमः
 ॥ कया लस ॥ ॐ ह्रिं मूलायष्टट् ॥ गायत्रि दुष्टवक्राय नमः ॥ वसं धालस
 ॥ ॥ ह्रिं ॥ ॐ ह्रिं मूलायष्टट् ॥ वसं धालस ॥ ॐ ह्रिं मूलायष्टट्

[illegible][illegible]

वास्तविकादि ३ कालीपूरा

ASHA ARCHIVES

विष्णु
मन्त्र
श्री गणेशाय
नमः
सर्वत्र
परमेश्वर
सिद्धि

3175

ASHA ARCHIVES

॥ ॐ ह्रीं क्रीं मूं वं ह्रीं वृं शं यं शं ह्रीं ॥ ऊं वं वा ह्रीं वं ॥ ॐ ह्रीं खं वा ह्रीं नं वा ह्रीं नं ह्रीं नं
 ह्रीं वा ॥ ॐ ह्रीं मूं न्या मं ॥ ॥ यागदास्यं ध्यानासयाय धनं ॥ ॥ मूलमन्त्र
 ॥ वायक न्या मं ॥ ३ ॥ ऊं वं या मन्त्र ॥ ध्यानासया मयाय ॥ ० ॥ गता ॥ कृयागि ॥
 धवददयकमलस्य वनभूमी मन्त्र ॥ ध्यानासया मयाय ॥ ० ॥ गता ॥ कृयागि ॥
 नमो उद्यवाय ॥ ध्यानासया मयाय ॥ ० ॥ गता ॥ कृयागि ॥
 नमो उद्यवाय ॥ ध्यानासया मयाय ॥ ० ॥ गता ॥ कृयागि ॥
 नमो उद्यवाय ॥ ध्यानासया मयाय ॥ ० ॥ गता ॥ कृयागि ॥
 नमो उद्यवाय ॥ ध्यानासया मयाय ॥ ० ॥ गता ॥ कृयागि ॥
 नमो उद्यवाय ॥ ध्यानासया मयाय ॥ ० ॥ गता ॥ कृयागि ॥
 नमो उद्यवाय ॥ ध्यानासया मयाय ॥ ० ॥ गता ॥ कृयागि ॥
 नमो उद्यवाय ॥ ध्यानासया मयाय ॥ ० ॥ गता ॥ कृयागि ॥
 नमो उद्यवाय ॥ ध्यानासया मयाय ॥ ० ॥ गता ॥ कृयागि ॥

क१

॥ वं च न्द न वा द्वा क्ति पूजया मि न मं ॥ ॐ सिं दू न वा द्वा क्ति पूजया मि न मं ॥ ॐ वृं दू
 वा द्वा क्ति पूजया मि न मं ॥ ॐ अं दू न वा द्वा क्ति पूजया मि न मं ॥ ॥ धनं ये न्दु वा
 यं इ न सा य नु वा य द्वा इ न सा द्वा क्ति पूजया मि न मं ॥ ॥
 कृता सामन्त्र ॥ ध्यानासया मयाय ॥ ० ॥ गता ॥ कृयागि ॥
 मिदाहर्न ॥ वं ३ ॥ धनं मूडा ॥ ध्यानासया मयाय ॥ ० ॥ गता ॥ कृयागि ॥
 ३ ॥ मूलमन्त्र ॥ ध्यानासया मयाय ॥ ० ॥ गता ॥ कृयागि ॥
 काली पूजा सं राय व मुन ॥ ॐ मं दग्नि मृषि ॥ ध्यानासया मयाय ॥ ० ॥ गता ॥ कृयागि ॥
 गा पूजा सं राय ॥ ध्यानासया मयाय ॥ ० ॥ गता ॥ कृयागि ॥
 हा का मि न मं ॥ ॐ वं क व न्द न ॥ ॐ वं क व न्द न ॥ ॐ वं क व न्द न ॥ ॐ वं क व न्द न ॥

[illegible]

जापुडं साममल्लायनमः॥ द्यौः प्रमदा नमः॥ अत्रयाय॥ दीनमः॥ दीनमः॥
॥ कीनमः॥ वृन्मः॥ सन्मः॥ ॥ गतादवाधूययाय॥ यश्रीकनदी॥ रुट
॥ गाननंयाय॥ द्रुज्वगुलनं॥ मूलमकुभाय॥ नमः॥ लंयुनलाय॥ उं
॥ हानकुरुलनं॥ ॥ थुशिकोलीयदधुसद्वी॥ थाय॥ द्रुज्वी॥ नमः॥
॥ यालयूजायाय॥ उं वामदवायथोषठवामदवायनं॥ मः॥ यूजाया
य॥ उं द्रुयधुयनयुजुशायरुट॥ धमकुलीयूजा॥ ॥ यठयाथवनथिया
वजयनय॥ ॥ द्रुकीयनमस्वामिनियनमाकोशधुन्यवाहिनियनसूर्यनि
रुद्विगिवाणीविगविगीस्तारा॥ ॥ नंकीधीआनन्दधनयविग्रहसुधमदये

[illegible][illegible]

ॐ ह्रीं सूर्य म ॐ लक्ष्मी नया य ॥ ह्रीं श्री ॥ अमृत तन्मया नया दा व ॥ ॐ सूर्य ॥ ध
 नमः डा के के व सूर्य म ॐ लक्ष्मी नया य ॥ ह्रीं श्री ॥ अमृत तन्मया नया दा व ॥ ॐ सूर्य ॥ ध
 श्री ॐ श्री ॐ अमृत तन्मया नया दा व ॥ ह्रीं श्री ॥ अमृत तन्मया नया दा व ॥ ॐ सूर्य ॥ ध
 अमृत तन्मया नया दा व ॥ ह्रीं श्री ॥ अमृत तन्मया नया दा व ॥ ॐ सूर्य ॥ ध
 डा के न ॥ की विद्या तन्मया य सादा ॥ ॐ श्री ॥ आनन्द रुचये वा य व सट आनन्द रु
 चये वा य नमः ॥ श्री ॥ सुखादयो वीष मू ॥ ॐ श्री ॥ आनन्द रुचये वा य नमः ॥ ॐ श्री ॥
 वृं वृं वृं वृं वृं ॥ ॐ श्री ॥ आनन्द रुचये वा य नमः ॥ ॐ श्री ॥ आनन्द रुचये वा य नमः ॥ ॐ श्री ॥
 वृं वृं वृं वृं वृं ॥ ॐ श्री ॥ आनन्द रुचये वा य नमः ॥ ॐ श्री ॥ आनन्द रुचये वा य नमः ॥ ॐ श्री ॥

॥ ॥ अथ शुद्धि मीन रक्षा धर्मा ॥ यं १०० मधु ॥ यं १०० दारु ॥ यं १०० तनू म
 डा ॥ अमृत तन्मया य ॥ मूल मन्त्र ॥ लं खन हाय ॥ ॐ नमः ॥ स्नान र्ति ॥ अरि मन्त्र ॥
 ॥ ॐ यत द्विषु सुवत वीथी ॥ मृग नरी मः कृपया ग विष्ठा ॥ यथा वृष
 णिषु विवृ मरे ॥ अथि द्वि य कि सुवना निदिग्ध ॥ ला ॥ मधु ॥ ॥ ॐ
 मधु ॥ मूल मन्त्र ॥ लं खन हाय ॥ ॐ नमः ॥ स्नान र्ति ॥ ॐ श्री ॥ वरु
 यडा मरु मृग निर्वृ वृ वृ वृ ॥ उवाच क मिव वन्धना मृग्या मृ द्दी यमा
 मृग्या ॥ ॥ वडि मा ॥ अदिन ॥ मधु न याय ॥ मूल न लं खन हाय ॥ ॐ नमः
 नमः ॥ स्नान र्ति ॥ ॐ तद्विष्ठा ॥ यव मी यद सदा य म कि मृ यय ॥ दिवा वव

दूनागर्ग ॥ ॥ दनदास्यं कलामृगं मधुनधन ॥ गालगयश्चाटिका ॥ ॥
 अथर्गस्तु यन ॥ धवनखुवसुलिका ॥ वरुययुयसुमलुल थायावदथुम
 नवाय ॥ लिका ॥ मयुजा ॥ ॐ शुं डी गं खाधममलुला यनमः ॥ साहाय्यको
 यरुट ॥ मयि सलावेधयनथा यययुजा ॥ ॐ शुं मं वक्रिमलुला यदः कि
 लात्मनेधायुयकाला कासामान्याद्यो धेवायन मः ॥ ॐ शुं गं खधलाव
 मयि सन ॥ नं डी यो शुं गं र्वं काययामि ॥ युजा ॥ ॐ शुं अं अं मलुला या
 थययदादः कलामृगं नयौ तु यकाली सामान्या र्वं ययायनमः ॥ लं
 यथने ॥ नं डी यो डी डी जलं पूनयामिनमः ॥ गं गययसुनववनितीथ
 वाहनयाय ॥ ॐ शुं डी साममलुला यकाडः कलामृगं नयौ तु यकाली सामा

न्याद्यमृतायनमः ॥ श्रीं वृषभदवीश्वरीं वृषभदवीनमः ॥ यगयगोमानना ॥
 दूनाकेतयुर्थनमः ॥ वं धनमूडाकेन ॥ नं यातिमूडा ॥ मूलमलुल जय
 य ॥ ॐ शुं कालवागि विग्रह कालसंकथ
 लिधामहि तन्नः कालीयया दया ॥ ॐ शुं गं खस्तु यन ॥ ॥ गतामूनाद्य
 ययस्तु यन ॥ धमडादवाडा अकवस ॥ र्वं कायगुक्रिकादीवकोदीयवुवसु
 मलुल थायावययुजायाय ॥ यकस ॥ वं वृषु लीलायनमः ॥ ॐ डुडु याना
 यनमः ॥ जीजायधनायनमः ॥ की कामरुपयनमः ॥ वक्रादास ॥ ॐ नं डी यो
 शुं कालिकार्येनमः ॥ ॐ नं डी यो शुं कनाय नमः ॥ ॐ नं डी यो शुं लाहिगायनमः
 ॥ ॐ नं डी यो शुं मनाजवायेनमः ॥ ॐ नं डी यो शुं वृषवर्षु य नमः ॥ ॐ नं डी

दूना
 पु
 का
 वृष
 य
 धव
 कर्क
 र

[illegible][illegible]

[illegible]

मीरवमूडाकननधनूयानिमूडाकनन॥यनखाननवृषदीयनयूजायाय॥ॐतिथी
 यावस्तुयन॥मीरवडाधीवाजुडाननयाजुननयसुवृषागस्तुयनयाय॥वीर
 कावीयाकयकथायावथयूजा॥कीआधायनकुपादित्यानमः॥नमः॥मीरविभला
 वमगुलमन॥इंमुवृषागस्तुयनयनमः॥रुद्र॥यावस्तुयनयनमः॥इंमुवृषागस्तुयन
 ॥लीखथन॥इंद्विने॥इं॥यनखानन॥इंजीनयमूनस्यादिमनु॥नीथजु॥वा
 रुनयाय॥वीरवमूडाकनन॥मूलमनु॥इयलय॥३॥ॐतिमुवृषागस्तुयन॥
 ॥॥ध्वर्थवलियाग॥॥धीवाजुयाजवस्तुयायादियागस्तुयनयाय॥वीर
 पिकावीयाकयकथायावयूजायाय॥कीआधायनकुपादित्यानमः॥नमः॥मीर
 विभलावमगुलमन॥रुद्र॥अर्धाभलावमः॥इं॥नमः॥लीखने॥इं॥यनखानन॥

[illegible][illegible]

[illegible]

युगमूलसनायनम॥ ॐ द्वायत्रयमूलसनायनम॥ ॐ कलियुग
मूलसनायनम॥ ॐ मृगवदमूलसनायनम॥ ॐ शिवमूलसनायन
म॥ ॐ सामवेदमूलसनायनम॥ ॐ अथर्ववेदमूलसनायनम॥
॥ ॐ रुद्रमूलसनायनम॥ ॐ अग्निमूलसनायनम॥ ॐ यममूल
सनायनम॥ ॐ नैऋतिमूलसनायनम॥ ॐ वयमूलसनायन
म॥ ॐ वायुमूलसनायनम॥ ॐ कवचमूलसनायनम॥ ॐ
ॐ रत्नमूलसनायनम॥ ॐ अनेकमूलसनायनम॥ ॐ
ब्रह्ममूलसनायनम॥ ॐ सृष्टिमूलसनायनम॥ ॐ यक्षयम
मूलसनायनम॥ ॐ वज्रयुतासनायनम॥ ॐ विष्णुयुतासनाय

[illegible][illegible]

लं दं हं मः सा हं श्री गुरु काली देवाः सर्व हि या वि उं आं जां कां यं न लं वं गं वं
सं हं लं दं हं मः सा हं श्री गुरु काली देवा वा दना नयन ध्या यथा वं द्या वं
रं हा ग ल्य मुखं चि न्नि ए नु स्मृ ता ॥ ३ ॥ न्या मया दा धं देव या क व उ
म न्या मया य ॥ दं सु व रु क्त न ॥ वं धन मू डा के न ॥ २०८ ३ गाल य दि न्द
धनं ॥ या नि मू डा के न ॥ मूल मर्तुः श्री गुरु कालि कां ग यो मि न म ॥ १० ॥
अ द्या मि ॥ मूल मर्तुं न ग ल्या द्यं श्री गुरु कालि का ये न म ॥ गं ख न ॥ मूल मर्तुं उ ध
धं ॥ श्री गुरु कालि का ये स्मृ ता ॥ मूल मर्तुं ॥ द मा च म नी रं श्री गुरु कालि का ये
वं ॥ मूल मर्तुं ॥ दं स्ना वी यं श्री गुरु कालि का ये न म ॥ मूल मर्तुं ॥ ष म धू य कं

॥ श्री गुरु कालि का ये वं ॥ मूल मर्तुं य न रा च म रं श्री गुरु कालि का ये वं ॥ मूल मर्तुं
॥ द व र्कं श्री गुरु कालि का ये न म ॥ मूल मर्तुं ॥ न दू रं श्री गुरु कालि का ये न
म ॥ मूल मर्तुं ॥ ष ग न्धं श्री गुरु कालि का ये न म ॥ मूल मर्तुं ॥ दं च न्द नं श्री
गुरु कालि का ये न म ॥ मूल मर्तुं ॥ दं चि न्द रं श्री गुरु कालि का ये न म ॥ मूल
मर्तुं ॥ दं स द नं श्री गुरु कालि का ये न म ॥ मूल मर्तुं ॥ न ग नि यं थानि श्री गुरु
कालि का ये वं ॥ धनं उ य वा नं ॥ पू जा या दा व मूल मर्तुं ॥ ग यं ज लि तं ३
॥ मूल मर्तुं श्री गुरु कालि का धी पा द कां पू ज या मि न म ॥ मूल मर्तुं ॥ दं दू रं
द नं श्री गुरु कालि का ये न म ॥ ॥ या नि मू डा के न ॥ मूल मर्तुं श्री गुरु कालि

कांगर्थयामिनमः॥ कस्वानजादावधार्यनायाय॥ रुगवतिरुद्रकालिकेय
विवायां सुपूजयामि श्रद्धादिहि॥ ॥ गनः वविवाय पूजनं ॥ यत्र काली मन्त्र
गपूजनं ॥ विष्णवे गथा उर्वरामस्तु सृष्टि काली धीयाद्वका पूजयामिनमः॥ उर्व
रामस्तु विष्णवे गथा स्तुति काली धीया ॥ उर्वरामस्तु गथा विष्णोरात्र का
ली धीया ॥ आ गथा विश्वं महा चक्र जनाख्या को ली धीया ॥ शुभ महा यक्ष
या गथा विष्णोरात्र काली धीया ॥ उँ ह्रीं क्लीं क्लौं ह्रीं ह्रीं ॥ भक्ति नाथ विधा
या ॥ ॥ उँ ह्रीं क्लीं क्लौं कनवी राश्रु ह्रीं भक्त नदी या ॥ ॥ गिरधूल ॥ उँ ह्रीं
ह्रीं ह्रीं श्री महा क्लीं क्षिती काल्यादि बहु विष्णु भक्ति अम्बा ह्रीं ह्रीं धीया ॥ ॥ मूर्ति

[illegible]

[illegible]

लीधायादूकां पूजयामिनमः॥ ओं ह्रीं क्लीं त्रिश्वगया उर्वरामगिवावकु काल
 सिकर्मणी धीयादूकां पूजयामिनमः॥ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ॥ उर्वरामया गध्वि काल
 वकु गामप्रध्वनी धीयादूकां पूजयामिनमः॥ डां डीं धीं सु उर्वरामय
 गध्वनी कयि वकु कडि का धीयादूकां पूजयामिनमः॥ क्लीं ह्रीं क्लीं ह्रीं
 या गध्वनी त्रिबुधमरुता दैवकु सुन्दरी धीयादूकां पूजया ॥ ३ ॥ मिनमः
 ॥ ह्रीं ह्रीं ह्रीं सु मरुत त्रिश्वगया मकरवकु र्गका त्रिणी धीयादूकां पूजया
 मिनमः॥ क्लीं क्लीं क्लीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं उर्वरया गत्रि हामय त्रिना गजवकु धीयादू
 कां पूजयामिनमः॥ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं गया त्रिश्वमरुत यधु रुसक्रमनवनयूह

यवकुसुमिद्विधागन्धविधीयादुक्तायुज्यामिनमः॥ ॐ ह्रीं सिद्धिकर्तालिमः
 हाउमुथीवीवी कालयममनिगुप्तकालीयादुक्तायुज्यामिनमः॥ ॥ मू
 लमर्कसागम्येसयत्रिवावायेसायुधयेसवारुनायेवीगुप्तकालीकायेन
 मः॥ ३ ॥ ॐ कास्त्राणीविग्रहकालसंकर्षणी श्रीमहि। गन्त्रः कालीयथाद
 या०॥ ३ ॥ ॐ पूजाधूनकाववलिविय ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं
 ह्रीं महावगुयागन्धविधुयः ॥ गन्त्रात्मकमृष्टिस्त्रिगुणसंरुविजुः ॥
 ह्रीं नास्त्रासासानिलययः ॥ गन्त्रयः ॥ गन्त्रयः ॥ कालिस्त्रामिनिनवय
 अचक्रमन्त्रिमहायागिनिह ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं
 कामकलासिद्धिलक्ष्मीप्रवर्धनाय ॥

आदनपूजावर्लिगुप्तः ॥ ३ ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं
 ॥ १ ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं
 वदकनाथविगलादकेगामुक्ताहाहासजुलियानाभक्तममविद्यानर्कः ३
 मृदुशिलासजामयाधियक्तयववस्त्ररामहिगन्त्रः ॥ पूजावर्लिगुप्तः २ ॥
 हा ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं
 विष्टुददनकयकुं कुं कुं कुं कालिमाकात्राक्तमसुवर्गुपरासहितह्रीं
 जीवर्लिगुप्तः २ ॥ ॐ ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं ह्रीं
 नक्षत्रयालीयसस्त्रोधि यगयमममिद्विष्टारुवसर्ववीथिनवर्कः २ ॥

यूजावलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ ५ ॥ षडलिः कानक्षवालाय नमः ॥ २ ॥ ॐ कौंथी खुं
नमः १ कृष्णा कलदेव्या लाय गृहाष्टक सहिताय च धिः सर्वसमया लाय
कौंथी २ सर्वसिद्धिदहि २ धी ॥ तुष्ठाङ्गी कूर २ अवनव २ रुडि २ मूर २ कौंथी
१ अभाघवत्रय दू कू कौंथी कौंथी कौंथी कौंथी स्वाहा ॥ ५ ॥ षडलिः कृष्णा कलदे
व्या लाय नमः ॥ ३ ॥ ॐ कौंथी दू खुं महासर्वदेव्या महासर्वयागिनी श्याम
हासर्वमायया महासर्वजोकिनी श्यामहासर्वदेवदेवहिनी श्यामहासर्वस्य
यत्री श्यामहासर्वयामयाभिः श्यामहासर्वभलाय कापि श्यामहासर्वस्य
वृद्धाभी श्यामहासर्ववलिं गृह्ण २ स्वाहा ॥ ३ ॥ नमः १ सर्वकायप्रयथ १ धी महायय

वृद्धाभी चकत्या नमः ॥ ५ ॥ षडलिः उग्रकालीयनिवात्रयानमः ॥ ४ ॥ ॐ
वलिविशिः ॥ ॥ धूपराजनर्तखनराय ॥ रुद्र ॥ नमः १ पूजा दू ययन ॥
॥ ॥ धूपलखराय ॥ चतुर्स्नाननयूजा ॥ ॐ जगद्गुनिमनुमान १ स्वाहा ॥ धू
प १ धन ॥ ॐ कौंथी सर्वदेवदेवनाय दू रुद्र ॥ धूपमसुन ॥
कौंथी सुत्ररिगेजस स्वाहा ॥ मूलमर्क ५ १ धूप १ धी रुद्र कालि कार्ये निवद
यामि ॥ मर्तलखनराय ॥ ॐ मर्त श्याय ॥ १ धन ॥ अमृतकाली रुद्र का
लि १ नमः १ स्वाहा ॥ ॐ ॐ कौंथी वां वक्रिदेवत दीययुनिनेला काय दू रुद्र ॥ धू
जा ॥ मूलमर्क ५ १ धूप १ धी रुद्र कालि कार्ये निवदयामि ॥ ससालखन

हाय॥ मूलमर्क०॥ ॐ वनप्रसिद्धेवगायनमः॥ मूलमर्कं नगानि नाना रुला
 निधीयुक्कालिकाये निवेदयामि॥ ॥ गीधमुद्रिकाकाव॥ ॐ शुद्धाश्व
 यमसादययमाननरुचि॥ अयावरुवसंसात्रयाहिमायवमश्चि॥ ॥
 यवसादवनेलिकाकावाकयायावयुजा॥ कोनेवशाधयायनमः॥ ॥ ॐ
 वयुरुग॥ लखनहाय॥ रुट॥ यं॥ नं॥ वं॥ जयवय॥ कीथीकीतुंरुं
 वं॥ कोनेवशानि॥ गधय॥ रुट॥ नमः॥ स्वाहा॥ वं॥ धनमूढा॥ यकमूढा॥ नमः॥
 स्वानत॥ मूलमर्कं नगानि निवेदयामि॥ निधीयुक्कालिकाये निवेदयामि॥ लख
 न॥ ॐ मृगायकवदाममिस्वाहा॥ खवनग्रसमूढा॥ खवनवाधदिपयम

डा॥ ॐ शावारास्वाहा॥ ॐ अमानायस्वाहा॥ ॐ शानायस्वाहा॥ ॐ उदनाय
 स्वाहा॥ ॐ समानायस्वाहा॥ धनगर्यो॥ ॥ निवेदयसामयीदकाकाया॥
 रुट॥ लखनहाय॥ नमः॥ युजा॥ रुट॥ वगानिवद्युवा॥ यलिरुयाना निवेदय
 सलगालिधीयुक्कालिकाये निवेदयामि॥ रुट॥ सानियसयविवावाये
 रुट॥ नेवशनिवेदयामि॥ ॥ मूलमर्कं यूनवावेमनीर्यथीयुक्कालि
 कायेव॥ ॥ अयगादिनमुखमुद्रिकाय॥ मूलमर्कं रुट॥ गामुलादि
 मुखवासंथीयुक्कालिकायेनमः॥ ॥ रुट॥ चामय॥ उखव॥ जादि
 नगेधन॥ ॥ मूलमर्कं यीयुक्कालिकायेनमः॥ ॥ मूलमर्कं

[illegible][illegible]

[illegible]

यादयनमगर्थीयादावयविवाप्रदवदकींमूलदवीयाकलीनश्वराव
य॥मूलमर्कसायुधंमवारुनासतविवावांघीगुष्मकालिकींनय्यामि
नमः॥घ्रायाणकायावचक्रसम्भवाकृष्णकावचक्रसङ्कुचूलय॥ ॥
मूलमर्कघ्रागुष्मकालिकवषयबाधुखाद्यश्वाहा॥घ्रायाणगाधनिर्भ
न॥वलि विमर्कन॥लादागलथूलकींउर्कुरु॥वलिश्वाय॥ ॥
विसर्जनयाय॥गर्कगर्कयर्कसर्कनसर्कननमर्कवि॥यणवद्वादयाद
वानविन्दु॥यममर्क॥संहायमर्कानयिणसर्वाठखानकायावचक्रस
सायुटनर्ककायावचक्रभुलिनीसविमर्कनयाय॥ ॥रुग्मनकाठसवि

कोटीशायानखानरथनिधुजाशाय॥वेतखाननने॥अनिमाल्यावासिनेः
चन्दनाकृतयूथनिमः॥अनिमाल्यावासिनेनमः॥३॥थीवाणयालः
खनधमरुनिहाय॥थीवाणयाजलसीकानयाय॥६॥दिबल्लय॥उ
मल्लधुधुविवासिमधुधुमानिचकदावन्ननयहवतिआयूसकोदका
मिसाहा॥थीवाणराकयूयावखाननदकाय॥७॥कावहससयदलखनः
कीशायानदकयकवालसनेयमनु॥८॥यंयंयुधनिधादनयंयंयः
यतिवदुषा॥सदासगासमायातियादिगकसमारुव॥९॥दवयासा
नकाया॥यत्रलोहदककाया॥॥१०॥निनिशायनयद्वति॥समका॥

॥॥सर्वतुतततधवलधुकनवम्यानि॥थीअनवाहानकपुवति
यागया॥गधुकावात्रमन॥११॥कूकूयायवनाहवा॥१२॥सीसदलनिदवनालिखण

हंनमः॥काली॥१३॥थीदयवाव॥१४॥थीधनमहाकालगद्यकाणादिकंदय॥
१५॥गकैत्रवारुगककमगकांनानिगद्यगा॥१६॥थीमहादवउवाय॥१७॥थी
१८॥थीत्रिनिर्नरहसातिनरहस्यकी॥१९॥कवयवूर्यव॥सर्वयहूरुलप

दं॥ चतुर्था॥ गम्यन्मिदं जयसिद्धिं कर्नालिकं । गहिर्मासर्वज्ञातिर्यः
सिद्धादिविकर्नालिकं । वङ्गकायातिनिगहिः सदावङ्गादिः श्रीमिदं॥
कालसङ्कटोद्युक्तं कालगीतिनिवायय । सृष्टिकालिनममृत्सृष्टिक
कृत्तधीश्वरि । गहिर्माजन्मरुयना जगज्जननिर्जनमः॥ इति कालि
विष्णु रूपधनयूगादितालिति । धर्नयूगांस्तथा काननदहिमकाकिव
हिः॥ निःसंहाय कालिक उक्तं सर्वसंज्ञं वृत्तिगिनि चेत्येदां गजमन
स्य सपत्नी ससृगस्यम । त्वत्समायना विद्वत्संज्ञायामासु कहि वि० म

नावात्रामगम्यत्वा दनाखानामधविनि । समुख्यसर्वमूर्खीनी शोख्यः
मार्क कदायिनि । गहिर्माद्वययादवि त्वत्सदायिगमानम । तद्वायः
यावन्तुसूर्य वङ्गयाखिलदर्शकाः॥ आत्मानं रासयत्नमंशा साका
लिनमामुक्तं । एकवक्त्रं दशवक्त्रं शतवक्त्रं खिलं श्वरि । उक्तं कालिनममृ
त्सृष्ट्याहिर्मायायना गिनि । कृतवाजमिदं यत्किं तुष्टायामुनिद्वन्द्वं ।
जायुः श्रीकार्त्तिके शोकाग्रपूज्यो गुप्तनयुर्द । दृष्टं स्वयनागर्नन्दं श्रीगमा
कैकसाधनं । त्वया तु फलवर्णकार्यं स्वयानि विवद्यावति ॥ ॥ इति उ

अकालीकववाजः समाकः ॥ ॥ हरिहरविधिमुखा ॥ गवदतद्वज
का द्वितसितववादावादादीकयवादा ॥ हनुममवियकि सर्वस्य
कि कीकि विगवठ कगलाली रुद्रगु अखा काली ॥

शुद्ध ॥ ॥ यनमः ॥ अथ दमना वाहनविधि ॥ नगादी कालनि
र्भय ॥ गदूकं महाकालसंहिताया ॥ कालसुदीयामुखा मु
कुपक्राम ॥ धम्मग ॥ मिधमा माधवी अष्ट ॥ अष्टि स्वधम
उच्यते ॥



[illegible][illegible]